FACT SHEET

IASP 2025 GLOBAL YEAR

Pain Management, Research and Education in Low- and Middle-Income Settings

अंतर्राष्ट्रीय दर्द अध्ययन संघ **2025** वैश्विक वर्ष परिचय: कम और मध्यम आय वाले क्षेत्रों में दर्द प्रबंधन**,** अनुसंधान और शिक्षा

लेखक:

मारगारिटा काल्वो, पीएचडी, पोंटि फ़ सया यूनिव र्सदाद कैटो लका दे चलेचली

सौरभ शर्मा, पीएचडी, रॉयल नॉर्थ शोर अस्पताल, ऑस्ट्रेलया

परिचय

अंतर्राष्ट्रीय दर्द अध्ययन संघ/ दर्द के अध्ययन के लए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आई.ए.एस.पी.) ने साल 2025 के लए थीम चुना है " कम और मध्यम आय वाले क्षेत्रों में दर्द की देखभाल, शक्षा और शोध।" यह वषय केवल कम और मध्यम आय वाले देशों तक सीमत नहीं है , बल्कि इसमें कम आय वाले क्षेत्रों और प्राथ मक जनसंख्या समूहों को भी शा मल कया गया है जैसे आदिवासी लोग, सांस्कृतिक रूप से व वध समूह और उच्च आय वाले देशों में रहने वाले शरणार्थी। कम और मध्यम आय वाले क्षेत्रों" पर ध्यान केंद्रित करके हम यह मानते है करते हैं क सामाजिक -आर्थक

चुनौतियाँ और असमानताएँ सभी क्षेत्रों और स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूद हैं। यह दृष्टिकोण ध्यान को भौगोलक सीमाओं से हटा कर परिस्थितियों की ओर ले जाता है जिससे बाधाओं को समझने और प्रभावी दर्द प्रबंधन की नीतियाँ वकसत करने के लए अधक समावेशी प्रयास कया जा सके। 24 देशों के 35 टास्क फ़ोर्स सदस्य, जिनमें से 60% से अधक कम और मध्यम आय वाले देशों से हैं, ने इस पहल में योगदान देने के लए स्वेच्छा से भाग लया है।

लक्ष्य

साल 2025 का वैश्विक वर्ष कम और मध्यम आय वाले क्षेत्रों में दर्द से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों की पहचान करेगा। यह उच्च गुणवत्ता वाले शोध के लिए अधिक फंडिंग की वकालत करेगा, जो शोध की महत्वपूर्ण कमियों को दूर कर सके, दर्द की देखभाल को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा में सुधार करना और हर परिस्थिति में उच्च गुणवत्ता वाली दर्द प्रबंधन सेवाओं की पहुँच बढ़ाने का प्रयास करेगा। इसके अतिरिक्त, इसका लक्ष्य चिकित्सकों को दर्द शिक्षा में बेहतर प्रशिक्षण देना, मरीज़ों में स्वयं प्रबंधन को बढ़ावा देना और लंबे समय से हो रहे दर्द के लिए विभिन्न विशेषज्ञों की टीम द्वारा समग्र देखभाल को प्रोत्साहित करना है।[1] हमारी आशा है कि यह पहल समुदाय स्तर पर और वैश्विक स्तर पर समानता को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

कम और मध्यम आय वाले क्षेत्रों) पर ध्यान देना क्यों ज़रूरी है?

दुनिया भर में दर्द एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, और इसका बोझ विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों तथा उच्च-आय वाले देशों की संवेदनशील आबादी पर असमान रूप से वितरित है।[2,3] दर्द से होने वाली कार्यक्षमता की कमी का बोझ आने वाले दशकों में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में और बढ़ने की संभावना है।[4,5] निम्न और मध्यम आय वाले देश विश्व की आबादी के 80% से अधिक हिस्से का निर्माण करते हैं,

लेकिन इतनी बड़ी आबादी की देखभाल के लिए मार्गदर्शन देने वाला शोध बहुत कम है।[6] उदाहरण के लिए, 2017 के वैश्विक रोग बोझ अध्ययन में कुछ निम्न और मध्यम आय वाले देशों से ही मूल आंकड़े लिए गए थे, जबकि अधिकांश निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए कमर दर्द की दर का अनुमान अन्य क्षेत्रों के आंकड़ों से लगाया गया।[7]

निम्न और मध्यम आय वाले देशों में उच्च-गुणवत्ता वाले दर्द शोध में कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं, जिन्हें 2025 ग्लोबल ईयर टास्कफोर्स दूर करने में मदद करने की आशा करता है। इन चुनौतियों में राष्ट्रीय और संस्थागत स्तर पर शोध को प्राथमिकता न देना, शिक्षाविदों, चिकित्सकों और आम जनता में सीमित जागरूकता, और शोध के लिए सीमित वित्तीय संसाधन शामिल हैं।[6,8] इसके अतिरिक्त, विशेष रूप से शोध के लिए निर्धारित पद/नियुक्तियाँ, प्रशिक्षित शोधकर्ताओं की संख्या बहुत कम या बहुत कम या ना के बराबर है, और भाषा संबंधी बाधाएँ शोध और प्रकाशन में बाधा डालती हैं। परिणामस्वरूप, वैज्ञानिक शिकारी पत्रिका/शोषणकर्ता प्रकाशन वाले वैज्ञानिक पत्रिका में शोध प्रकाशन के शिकार हो जाते हैं, जिससे उनके प्रकाशित दर्द शोध की विश्वसनीयता पर संदेह हो सकता है।[6,9,10]

कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों में दर्द को प्राथमकता नहीं दी जाती, क्योंक अन्य स्वास्थ्य मुद्दों जैसे क आघात से होने वाली चोटें, मातृ एवं शशु स्वास्थ्य समस्याएँ, और संक्रामक रोग अधक ध्यान आकर्षत करते हैं।[11,12] इसके दुर्भाग्यपूर्ण परिणामस्वरूप, दर्द से पीड़त लोगों को असरदार/प्रभावी उपचार तक सी मत पहुँच होती है।[3] वर्तमान देखभाल अक्सर अपर्याप्त होती है, जिसमें कम मूल्य (जैसे की अप्रभावी, असुर क्षत और महंगी देखभाल और रक्तस्त्राव जैसी संभावत हानिकारक प्रथाएँ सामान्य हैं।[13] हालांक, स्थानीय और पारंपरिक उपचारों का परीक्षण करने के अवसर मौजूद हैं, जो दर्द से पी ड़त लोगों के परिणामों में सुधार कर सकते हैं। इन अंतरालों को संबोधत करना स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने और निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहने वाले अरबों लोगों की जीवन गुणवत्ता में सुधार के लए महत्वपूर्ण है।

2025 वैश्विक वर्ष उच्च-आय वाले देशों में संवेदनशील आबादी पर भी ध्यान देता है, जिसमें मूलवासी लोग, प्रवासी, व वध सांस्कृतिक पृष्ठभू म वाले लोग और शरणार्थी शा मल हैं।[4] निम्न और मध्यम आय वाले देशों से कई लोग रोजगार की कमी के अवसर, गरीबी और अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं तक सी मत पहुँच और संघर्षों के कारण अधक आय वाले देशों में स्थानांतरित हो जाते हैं/चले जाते हैं। नए प्रवासी देशों में उन्हें सामाजिक अलगाव, अपर्याप्त देखभाल और खराब स्वास्थ्य परिणामों का सामना करना पड़ता है। भाषा संबंधी बाधाएँ उन्हें नैदानिक शोध से अलग करती हैं, जिसके कारण निष्कर्षों की सामान्यता पर सवाल खड़ा होता हैं। इन समस्याओं के बावजूद, अब तक इन समस्याओं को हल करने के पर्याप्त प्रयास नहीं हुए हैं। 2025 वैश्विक वर्ष में दर्द देखभाल में वैश्विक समानता सुधारने के लए इन आबादियों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण हैं।

परिणामों में तथ्यपत्रक, पॉडकास्ट, वेबिनार और वशेषज्ञ साक्षात्कार शामल हैं। PAIN और PAIN Reports जर्नल में प्रका शत संबं धत शोध पत्रों को वशेष रूप से प्रस्तुत कया जाएगा। हम तथ्यपत्रकों का अनुवाद कई भाषाओं में करने में सहायता का स्वागत करते हैं, ताक वैश्विक द र्द समुदाय को सशक्त कया जा सके और यह सुनिश्चित कया जा सके क ये सामग्री जनता, चकत्सकों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के लए वश्व स्तर पर सुलभ हों।

इस प्रमुख वैश्विक चुनौती को संबो धत करने में आई.एएस.पी. (अंतर्राष्ट्रीय दर्द अध्ययन संघ) से जुड़े:

2025 वैश्विक वर्ष वश्वभर के चकत्सकों , शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और रोगी समर्थकों को जोड़ता /एकजुट करता है, ताक निम्न और मध्यम आय वाले क्षेत्रों में उच्च -गुणवत्ता वाली दर्द देखभाल तक पहुँच में सुधार कया जा सकता है। राष्ट्रीय सीमाओं और वषय क्षेत्रों के आपसी सहयोग से, दर्द देखभाल में सुधार कया जा सकता है और वैश्विक असमानताओं को कम कया जा सकता है। आइए इन क्षेत्रों पर ध्यान देने के लए इस अवसर का लाभ उठाएँ, अपनी महत्वपूर्ण आवाज को बुलंद करे, दर्द प्रबंधन, शोध और शक्षा में स्थायी बदलाव लाएँ।
2025 वैश्विक वर्ष पर अधक जानकारी और संसाधनों के लए आई.ए.एस.पी. (अंतर्राष्ट्रीय दर्द अध्ययन संघ) की आधकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं: IASP-pain.org.

सन्दर्भसूची

1. कार्डोसा एम एस..। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में बहु व शष्ट दर्दप्रबंधन को बढ़ावा देना: चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ। Pain. 2024;165(11S):S39-S49.
2. अल्वा स्टॉफ़र्ट एम एफ, फरेरा जी ई, शर्मा एस, गुटियरेज़ कामाचो सी , माहेर सी जी.। मेक्सिको में कमर दर्द का प्रबंधन करने की चुनौतियों और जटिलताओं पर एक दृष्टि। Glob Public Health. Jun 2021;16(6):936-946. doi:10.1080/17441692.2020.1808038
3. शर्मा एस, मैकॉले जे एच.। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कमर दर्द, भाग 1: समस्या। J Orthop Sports Phys Ther. May 2022;52(5):233-235. doi:10.2519/jospt.2022.11145
4. फरेरा एम एल, डी लुका के, हाइल एल एम, एट आल.,। कमर दर्द का वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय बोझ, 1990–2020, इसके जोखम कारक, और 2050 तक की प्रक्षेपण: ग्लोबल बर्डन ऑफ डज़ीज़ स्टडी 2021 का एक प्रणालीगत वश्लेषण। The Lancet Rheumatology. 2023;5(6):e316-e329.
5. गल ती के, मटिन्टी एम एम, मार्च एल एम, एट आल.,। अन्य मस्कुलोस्केलेटल वकारों का वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय बोझ, 1990–2020, और 2050 तक की प्रक्षेपण: ग्लोबल बर्डन ऑफ डज़ीज़ स्टडी 2021 का एक प्रणालीगत वश्लेषण। The Lancet Rheumatology. 2023;5(11):e670-e682. doi:10.1016/s2665-9913(23)00232-1
6. शर्मा एस, वेरहेगन ए पी, एल्किन्स एम, एट आल.,। निम्न और मध्यम आय वाले देशों से शोध वैश्विक स्वास्थ्य और फजियोथेरेपी पेशे को लाभ पहुँचाएगा, लेकन इसके लए समर्थन आवश्यक है। J Physiother. Jan 2024;70(1):1-4. doi:10.1016/j.jphys.2023.08.013

7. तम्राकर एम , खरेल पी, ट्रेगर ए, माहेर सी, ओ'कीफ एम, फरेरा जी,। ग्लोबल बर्डन ऑफ डज़ीज़ स्टडी 2017 में कमर दर्द प्रसार डेटा की पूर्णता और गुणवत्ता। BMJ Glob Health. May 2021;6(5):e005847. doi:10.1136/bmjgh-2021-005847
8. शर्मा एस, बिर्नी के ए, वांग एस, फर्नांडेस गोम्स एफ आई, गब्स जे एल, मटिन्टी एम एम। अंतर्राष्ट्रीय संघ फॉर द स्टडी ऑफ़ पेन (IASP) का करियर वकास में मूल्य: प्रशक्षु और शुरुआती करियर सदस्यों के दृष्टिकोण। Pain. Nov 1 2023;164(11S):S31-S38. doi:10.1097/j.pain.0000000000003061
9. अमानो टी, रिओस रोखास सी, बूम II वाए, काल्वो एम, मश्रा बी बी, । वज्ञान में भाषा बाधाओं को पार करने के दस सुझाव। Nat Hum Behav. Sep 2021;5(9):1119-1122. doi:10.1038/s41562-021-01137-1
10. नेटवर्क TE-P, ओ'कॉनेल एन ई, बेल्टन जे, एट आल.,। दर्द शोध की वश्वसनीयता बढ़ाना : एक कार्यवाही के लए आह्वान। The Journal of Pain. 2024:104736.
11. ब्रिग्स ए एम, हक्केल श्नाइडर सी, स्लेटर एच, एट आल.,। वैश्विक वकलांगता बोझ को रोकने के लए स्वास्थ्य प्रणा लयों को मजबूत करना: मस्कुलोस्केलेटल स्वास्थ्य सुधारने के लए वैश्विक रणनीति के प्राथ मक घटकों का अनुभवजन्य वकास। BMJ Global Health. 2021-06-01 2021;6(6):e006045. doi:10.1136/bmjgh-2021-006045
12. ब्रिग्स ए एम, जॉर्डन जे ई, शर्मा एस, एट आल.,। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में दर्द और वकलांगता के लए स्वास्थ्य प्र णा लयों को मजबूत करने का संदर्भ और प्राथ मकताएँ एक द् वतीयक गुणात्मक अध्ययन और स्वास्थ्य नीतियों का सामग्री वश्लेषण। Health Policy Plan. Feb 13 2023;38(2):129-149. doi:10.1093/heapol/czac061
13. शर्मा एस, पाठक ए, पार्कर आर, एट आल.,। कमर दर्द का प्रबंधन कैसे कया जाता है—32 देशों में एक म श्रत व धयों का अध्ययन। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कमर दर्द श्रृंखला का भाग 2। Journal of Orthopaedic & Sports Physical Therapy. 2024;
14. लन आई, गाउके आर, बुल्लेन जे, शर्मा एस, बार्नबे सी। दर्द में असमानताएँ: निम्न और मध्यम आय वाले देशों में और स्वदेशी जनजातियों में दर्द। In: वैन ग्रीनसवेन H, ed. Pain: A textbook for health professionals. 2023:353.

लेखकों की संस्थागत पहचान /लेखक प्रकटीकरण

1 सह-अध्यक्ष, वैश्विक वर्ष दर्द प्रबंधन, कम और मध्यम आय वाले क्षेत्रों में शोध एवं शक्षा वयवस्था, अंतर्राष्ट्रीय संघ फॉर द स्टडी ऑफ़ पेन, वा शंगटन डीसी, यूएसए
2 फजियोलॉजी वभाग , पोंटि फ़ सया यूनिव र्सडाड कैथो लका डी चली, सैंटियागो, चली ; मलेनियम न्युक्लियस फॉर द स्टडी ऑफ़ पेन (MiNuSPain), सैंटियागो, चली .
3 नैदानिक अनुसंधान के प्रमुख वैज्ञानिक, दर्द प्रबंधन एवं शोध केंद्र, रॉयल नॉर्थ शोर हॉस्पिटल,

नॉर्दर्न सडनी लोकल हेल्थ डिस्ट्रिक्ट , सडनी , एन एस डब्लूय 2065, ऑस्ट्रेलया
4 संयुक्त सीनियर लेक्चरर, पेन मैनेजमेंट रिसर्च इंस्टिट्यूट, को लंग इंस्टिट्यूट, फैकल्टी ऑफ मेडसन एंड हेल्थ , द यूनिव र्सटी ऑफ सडनी एंड नॉर्दर्न सडनी लोकल हेल्थ डिस्ट्रिक्टसडनी , एन एस डब्लूय, ऑस्ट्रेलया
5 सहायक सीनियर लेक्चरर, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज, फैकल्टी ऑफ मेडसन एंड हेल्थ , यूनिव र्सटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स, सडनी , ऑस्ट्रेलया
6 पोस्ट-डॉक्टरेट शोध सहयोगी, सेंटर फॉर पेन इम्पैक्ट, न्यूरोसाइंस रिसर्च ऑस्ट्रे लया, सडनी , ऑस्ट्रेलया
7 वज़िटिंग फैकल्टी , फजियोथेरेपी वभाग , म णपाल अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणपाल यूनिव र्सटी, मणपाल , भारत

तथ्यपत्र समीक्षक

एम्मा करान, बी एस सी, पी टी पी एच डी, यूनिव र्सटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलया , ऑस्ट्रेलया
सुप्राणी निरु थसाई, एम डी, चुलालोंगकॉर्न यूनिव र्सटी, थाईलैंड
एंड्रयू राइस, पी एच डी, इम्पीरियल कॉलेज लंदन, यूके, इंग्लैंड

इस लेख का हिन्दी अनुवाद निम्मन ल खत शोधकर्ताओं द्वारा कया गया है
हिन्दी अनुवादकर्ता

डॉक्टर रजनी शर्मा
पी एच डी मनोवज्ञान
उच्च बाल चकत्सालय
पी जीआई एम ई आर, चंडीगढ़ , भारत
ए मेल आई डी : rajnigugu@yahoo.com

प्रोफेसर बबीता घई,
पेन क्लिनिक इंचार्ज,
एनेस्थीसया और इंटेंसव केयर वभाग
पी जीआई एम ई आर, चंडीगढ़ , भारत
ए मेल आई डी: ghaibabita1@gmail.com

दिव्यांश शर्मा
एम ए मनोवज्ञान छात्र
राजकीय स्नातकोत्तर महावधालय , पंचकुला,
हरियाणा , भारत
ए मेल आई डी: divyansh13671@gmail.com